Doon Public School Bhuj

Hindi Worksheet

Class –VII **Date-05/05/2020**

Chapter- व्याकरण (अपठित गद्यांश -पद्यांश)

प्रश्न-1 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसपर आधारित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द में दीजिए |

पहलगाम कश्मीर घाटी का सर्वाधिक मनोरम स्थान है | इसकी ऊँचाई समुद्रतल से 2200 मीटर है | चारों ओर ऊँचे-ऊँचे पर्वत खड़े हैं और बीच में लीदर नदी बहती है | अमरनाथ जाने वाले यात्री यहीं पर एकत्रित होतें हैं | सबकी एक ही कामना होती है – अमरनाथजी के दर्शन |अमरनाथ अमरावती नदी के दाएँ तट पर स्थित है | पहलगाम से यहाँ तक की यात्रा में तीन दिन लगतें हैं और चौथे दिन यात्रियों को दर्शन करके लौटना होता है | यह यात्रा श्रावण –पूर्णिमा (रक्षा बंधन) के दिन संपन्न होती है |

1.कश्मीर घाटी का मनोरम स्थान कौन-सा है ? _______________

2.अमरनाथ किस नदी पर स्थित है ? ______________________________

3.पहलगाम से अमरनाथ जाने के लिए कितना समय लगता है ? ___________

4 अमरनाथ यात्रा किस दिन संपन्न होती है ? _________________________

5 पहलगाम की ऊँचाई लगभग कितनी है ? _______________________

(2) हमारा केरल भारत का नंदनवन है |इसका सौन्दर्य कश्मीर से ज़रा भी कम नहीं है |आदि शंकराचार्य का जन्म केरल में हुआ था इसलिए इस स्थान का धार्मिक तथा सांस्कृतिक महत्त्व भी है | लोग केरल को नारियेल का बगीचा भी कहतें हैं |केरल के पश्चिम में अरब सागर है और उस पूरी पट्टी पर नारियेल के कुंज है ,वन है | नारियेल तो हमारा कल्पवृक्ष है |यह एक नहीं अनेक वस्तुएँ प्रदान करता है |नारियेल अमृत तुल्य मीठा पानी प्रदान करता है |गिरी का साग-सब्जी में उपयोग होता है |नारियेल का वृक्ष रस्सी , मोटे रस्से , चटाई , कूंची तथा पायदान जैसी बनाने वस्तुएँ के लिए रेशे प्रदान करता है |

1. भारत का नंदनवन किस राज्य को कहा गया है ? _____________________

2. केरल में किस महान व्यक्ति का जन्म हुआ था ? _____________________

3.नारियेल का पानी किसके समान है ? ______________________

4. नारियेल का वृक्ष किसके रेशे प्रदान करता है ? ______________________

5. गद्यांश का उचित शीर्षक होगा-_________________________

प्रश्न-2 नीचे लिखे अपठित काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर विकल्प में से छाँटकर लिखिए |

एक किरण आई छाई,
दुनिया में ज्योति निराली,
रंगी सुनहरे रंग में,
पत्ती पत्ती डाली डाली
एक किरण आई लाई ,,
पूरब में सुखद सवेरा
हुई दिशाएं लाल,
लाल हो गया धरा का घेरा
एक किरण आई हँस-हँसकर,
फूल लगे मुस्काने
बही सुगन्धित पवन
गा रहे भौरें मीठे गाने,

एक किरण बन तुम भी ,

फैला दो दुनिया में जीवन ,

चमक उठे सुन्दर प्रकाश से,

इस धरती का कण–कण |

प्रश्नों –

1.पद्यांश के लिए उचित शीर्षक है-

(क) चिनगारी (ख) एक किरण (ग) जीवन प्रकाश

2.एक किरण आने से दुनिया में क्या छा गया ?

(क) प्रकाश (ख) अन्धकार (ग) गरमी

3.एक किरण से आने से भौरें क्या करने लगे ?

(क) सो गए (ख) रोने लगे (ग) मीठे गाने गाने लगे

4.एक किरण पूरब से क्या लेकर आई ?

(क) दु:खद जीवन (ख) सुखद सवेरा (ग) प्रलय

5.सुबह होने पर फूल क्या करने लगे ?

(क) चहकने लगे (ख) मुस्करारने लगे (ग) सुगंध बिखरने लगे

(2) तपते तारकोल पर ,
पहले तवे जैसी
एडी दिखती है,
फिर तलवा ,
और फिर सारा बोझ,
पंजे की उँगलियों पर आता है ,
बायाँ पैर फिर दायाँ पैर, फिर बायाँ ,
वह चढ़ाई पर रिक्शा खींचता है|

1. तवे जैसी क्या दिखती है ?

2 .सारा बोज कहाँ आता है ?

3. रिक्शे वाला रिक्शा कहाँ खींचता है ?

4. काव्यांश मैं किसका वर्णन है ?

5 ‘वह रिक्शा खींचता है’ इस पंक्ति में वह कौन हैं?